an>

Title: Need to extend loan facilities to cattle rearers under MUDRA Bank Scheme.

श्री सुखबीर सिंह जौनापुरिया (टोंक-सवाई माधोपुर)ः भेड़, बकरी व पशु पालन टोंक जिले (राजस्थान) के ग्रामीण क्षेत्रों में एक बहुत ही प्रचलित एवं लोकप्रिय व्यवसाय है। टोंक जिले की मालपुरा तहसील के अविकानगर में भारत सरकार का केन्द्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसंधान संस्थान केन्द्र स्थापित है। दिनांक 18.11.2015 को इस संस्थान द्वारा सांसद आदर्श ग्राम कांटोली जिला टोंक में किसान गोष्ठी एवं भेड़ पालन शिविर का आयोजन किया गया था जिसमें लाखों लोगों ने भाग लिया और मुझे भी भाग लेने का मौका मिला। इस शिविर में मुझे संस्थान के निदेशक और किसानों के द्वारा बातचीत में बताया गया कि वर्तमान में एक भेड़ 2 बच्चों को जन्म देती है और एक भेड़ के बच्चे की कीमत लगभग 2500 रुपए से 3000 रुपए के बीच में होती है और उत्तम किस्म की भेड़ों का मरीना ऊन भी भारी कीमत में बिकता है जिससे भेड़ पालकों को आर्थिक लाभ हो रहा है। अगर प्रधानमंत्री मुद्रा बैंक योजना के तहत भेड़, बकरी तथा गाय पालकों को भी ऋण दिया जाए तो पशुपालकों को आर्थिक लाभ तो मिलेगा ही, साथ ही देश को भी इसका आर्थिक लाभ मिलेगा।

अतः मेरा माननीय वित्त मंत्री जी से अनुरोध है कि प्रधानमंत्री मुद्रा बैंक योजना में दुकानदार तथा व्यवसायी आदि के साथ-साथ पशुपालकों को भी जोड़ने के कदम उठाए जाएं।